दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Nehru Vihar

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-3

DTVF / OPT-24 **H-2403**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Ravi Raaz

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number:

Center & Date: Nehru Vihar

UPSC Roll No. (If allotted): 9007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	5	5	3.5	5.5	5.5	24.5	5	5.5	5.5	5.5	5.5	5.5	27.5
2							6	11	7	7.5			25.5
3	9.5	7.5	6			23	7						
4							8	11.5	8	6			25.5
							सकल योग (Grand Total)			126			

FL-264

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

- परिचय दक्षता प्रभावी है।
- प्रस्तुतीकरण के स्तर पर सराहनीय प्रयास।
- विषय-वस्तु की समझ बेहतर है।
- लेखन में फ्लो-चार्ट का प्रयोग प्रभावी है।
- निष्कर्ष दक्षता अच्छी है।
- हैण्डराइटिंग सराहनीय है।
- भाषा-शैली एवं भाषा प्रवाह अच्छा है।
- लेखन में वर्तनी शुद्धता एवं व्याकरण शुद्धता प्रभावी है।
- निरंतर प्रयास करते रहें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**
Answer the following in about 150 words each:

(a) कृषक एवं जनजातीय आंदोलनों ने एक निश्चित स्तर की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को प्रदर्शित किया।

Peasant and tribal movements showed a certain level of political and social consciousness.

19 वी तथा 20 वी सदी के औपनिवेशिक शासन के दौरान देशभर में कई जनजातीय व कृषक आंदोलनों का आविर्भाव हुआ जिन्होंने एक निश्चित स्तर के राजनीतिक व सामाजिक चेतना का प्रदर्शन किया।

भूमिका ठीक है। विशिष्ट शोषितों को लक्षित किया गया।

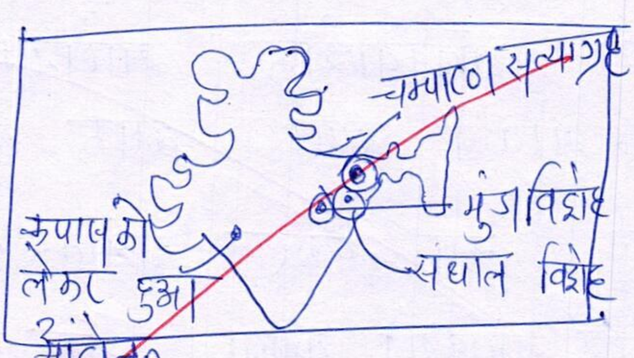

मानचित्र का प्रभावी प्रयोग

आवश्यकतानुसार समझ अच्छी है

साथ राजनीतिक चेतना:-
(i) आद्य राष्ट्रवादी भावनाओं से प्रेरित।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(2) पारंपरिक राजनीतिक ढाँचे में हस्तक्षेप (संथाल) आंदोलन

(3) राज्य द्वारा जनजातीय व किसानों पर अतिशय करारोपण।

सामाजिक चेतना
→ पारंपरिक मूल्यों में हस्तक्षेप
→ बाह्य शोषक वर्ग के द्वारा उत्पीड़न
→ जबरन धर्मान्तरण पर बल

उपरोक्त राजनीतिक तथा सामाजिक चेतना में औपनिवेशिक शासनकाल में हुए जनजातीय तथा कृषक आंदोलन को मूर्त रूप देकर कालांतर में राष्ट्रीय आंदोलन को समावेशी बनाया।

मोपला विद्रोह | जमीदारों के विरुद्ध स्थानीय संघर्ष से लेकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ व्यापक विरोध

– वर्ग, जाति धर्म के आधार पर विद्रोहियों का जुड़ाव समाज की आंतरिक गतिशीलता को दर्शाते

राजनीतिक प्रतिवाद तथा जनजाति की परिस्थिति समझें

निष्कर्ष ठीक है।

ये संदर्भ उत्पीड़न के बारे में उनकी गहरी समझ को दर्शाते हैं।

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर अच्छा प्रयास

5/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) "भारी आर्थिक क्षति के बावजूद सालबाई की संधि ब्रिटिश आधिपत्य के इतिहास में युगांतकारी सिद्ध हुईं।" कथन का विश्लेषण कीजिये।

"The Treaty of Salbai proved to be a landmark in the history of British suzerainty, despite heavy economic losses." Analyze the statement.

1882 में हुई सालबाई की संधि (मराठों और ब्रिटिश के बीच) ब्रिटिश आधिपत्य के इतिहास में एक युगांतकारी घटना सिद्ध हुई।

शुरुआत ठीक है — यह संधि 1767 से चले आ रहे प्रथम आँग्ल मराठा युद्ध का परिणाम थी।

कारण :

① इस संधि में ब्रिटिश को अपनी शक्तियों को संगठित करने तथा संवर्धित करने का अतिरिक्त समय प्रदान किया।

② चूँकि इस संधि ने मराठों के शक्ति को पुनः सिद्ध कर दिया फलतः ब्रिटिश के द्वारा मराठों के साथ मित्रता की व्यवहारिक नीति अपनाई गई।

विषय-वस्तु और समझ कम है।

③ सालबाई की संधि ब्रिटिश तथा मराठों के बीच हुई थी किंतु इसका

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लाभ। उबकर ब्रिटिश टीपू के नेतृत्व वाले मैसूर तथा अन्य क्षेत्रीय रियासतों के मूल पर अपना विस्तार किया।

यद्यपि सालबाई की संधि तात्कालिक रूप से ब्रिटिश के लिए आर्थिक क्षति वाली सिद्ध हुई

कारण :-

1. एक प्रकार से ब्रिटिश के लिए अपमानजनक संधि व अलाभकारी संधि
2. युद्ध मे ब्रिटिश का अत्यधिक व्यय होना किंतु सॉलसेट का क्षेत्र प्राप्त न होना

उपरोक्त सीमाओं के बावजूद सालबाई की संधि ने ब्रिटिश शासन को दो दशकों के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान किया जिसका उपयोग कर उन्होंने द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध मे मराठा को पराजित किया।

विश्लेषण छूटता दीखिये

- इस संधि से अंग्रेजो को वित्तीय क्षति उठानी पड़ी
- पंजाब, नेपाल एवं बर्मा जैसे क्षेत्रों में उदित शक्तियों से सचेत रहना पड़ा
- मराठों एवं टीपू की दुरभि का सामना

भाषा-शैली ठीक है

निष्कर्ष ठीक है

5/10

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर बेहतर प्रयास

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर 45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट व्यापक रूप से और सफलतापूर्वक भारत में कंपनी और केंद्रीकृत प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण की दिशा में पहला कदम था?

Do you agree that the Regulating Act of 1773 comprehensively and successfully marked the first step towards parliamentary control over the company and centralised administration in India?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट को भारत में कंपनी के शासन तथा केन्द्रीकृत प्रशासन पर ब्रिटिश संसदीय नियंत्रण के दिशा में उठाया गया पहला प्रयास था जो कुछ सीमाओं के बावजूद अपने प्रयास में लगभग सफल सिद्ध हुआ।

परिचय ठीक है।

कारण

- इस अधिनियम में कंपनी के शासन पर आपेक्षित अंकुश लगाए रखने के लिए विस्तृत नियम और विनियमन का प्रबंध किया।
- बंगाल के गवर्नर को गवर्नर जनरल का पदनाम देकर उसके सहयोग हेतु कार्यकारी परिषद का गठन किया।

विषय-वस्तु की समझ है

- वित्तीय संकट
- भ्रष्टाचार
- कानून और शासन
- कुप्रबंधित नीतियाँ आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3) संसद के द्वारा कंपनी के कर्मचारियों के निजी व्यापार और उपहार लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

(4) संसद के द्वारा कंपनी पर नियंत्रण हेतु बोर्ड ऑफ कंट्रोलर्स का गठन किया गया

इस रूप में 1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट भारत में कम्पनी के शासन पर नियंत्रण हेतु पहला किंतु एक सशक्त प्रयास था।

संसदीय नियंत्रण
- विनियमन और पूर्ण नियंत्रण नहीं
- गवर्नर जनरल
- केंद्रीकरण
- सुप्रीम कोर्ट की स्थापना

खामियां
- गवर्नर जनरल के पास वीटो नहीं
- सुप्रीम कोर्ट की शक्तियाँ परिभाषित नहीं
आदि का उल्लेख

निष्कर्ष ठीक है

3.5/10

उत्तर में सभी पक्षों का उल्लेख करना प्रभावी होगा

प्रस्तुतीकरण ठीक है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भारत में सिविल सेवाओं के इतिहास पर चर्चा कीजिये।

Discuss the history of Civil services in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सिविल सेवको औपनिवेशिक शासन का 'स्टील फ्रेम' माना जाता है जिसकी नींव लार्ड कार्नवालिस के द्वारा रखी गई।

भूमिका ठीक है।

भारत मे सिविल सेवा का इतिहास

(1) लार्ड कार्नवालिस ने कार्नवालिस कोड (1793) के माध्यम से भारतीय सिविल सेवा को संगठित रूप प्रदान किया और इस अर्थ मे वह भारतीय सिविल सेवा का जनक बन गया।

(2) भारतीय सिविल सेवको को भारतीय परिस्थितियो के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए लार्ड वेलेजली के द्वारा 1801 फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की गई। यद्यपि इसे 1806 मे बंद कर

सरदार बल्लभ भाई पटेल ने ↓ स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया की संज्ञा दी

अवधारणात्मक समझ बेहतर है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हैलेबरी में इस हेतु कॉलेज की स्थापना की गई।

③ 1833 के चार्टर अधिनियम के तहत सिविल सेवा में खुली प्रतिस्पर्धा के माध्यम से चयन की व्यवस्था की गई। हालांकि कोर्ट ऑफ डायरेक्टर के विरोध के बाद इस पर आगे प्रयास नहीं किया गया।

④ 1853 के चार्टर अधिनियम में सिविल सेवा वास्तविक रूप में भारतीयों के लिए भी खोल दिया और 'सत्येन्द्र नाथ टैगोर' सिविल सेवा में चयनित होने वाले पहले भारतीय बने।

⑤ सिविल सेवा की परीक्षा केवल अंग्रेजी में तथा ब्रिटेन में आयोजित की जाती जिसकी अधिकतम आयु सीमा 21 से 19 वर्ष अलग-अलग काल में रही।

1919 के अधिनियम तहत स्थापित UPSC ने आगे सिविल सेवा के विरासत को बनाए रखा तथा सरदार पटेल के प्रयासों के कारण यह आज भी स्थायी ढाँचा बना हुआ है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(e) आधुनिक शिक्षा की शुरुआत ने ब्रिटिश शासन के दौरान भारत के बौद्धिक जीवन में क्रांति ला दी। विश्लेषण कीजिये।

The introduction of modern education revolutionized the intellectual life of India during the British rule. Analyse.

19 वीं सदी में अलग- अलग कालों में तथा अलग-अलग स्तरों पर ब्रिटिश के द्वारा आधुनिक शिक्षा के विकास की दिशा में उपाय किया गया।

आधुनिक शिक्षा के विकास के उद्देश्य

उद्देश्य
- → ब्रिटिश बाजार का विस्तार
- → सस्ते कर्मचारियों की उपलब्धता
- → ईसाई धर्म का प्रसार
- → बन्धुता के भावना से प्रेरित होकर ब्रिटिश शासन को दीर्घ जीवी बनाना
- → अंग्रेजी भाषा का प्रसार

यद्यपि ब्रिटिश सरकार के उपरोक्त उद्देश्य कुछ ही सीमा तक सफल रहे जबकि व्यापक रूप से आधुनिक शिक्षा के विकास में औपनिवेशिक-

शुरुआत ठीक है। शिक्षा प्रणाली के माध्यम से भारतीयों को अंग्रेजी रंग में रंगने के लिए भी

माध्यम से समझ बेहतर है

फ्लो-चार्ट का प्रयोग प्रभावी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में 'बौद्धिक जीवन में 'क्रांति का उत्प्रेरक सिद्ध हुआ

कुछ तथ्य

(i) आधुनिक शिक्षा ने बुद्धजीवियों में राष्ट्रवाद, लोकतंत्र स्वतंत्रता और समानता की भावना बढ़ावा दिया

(ii) आधुनिक शिक्षा प्राप्त भारतीय बुद्धिजीवियों ने ही औपनिवेशिक शासन की आर्थिक मीमांसा कर डाली (Drain of wealth)

(iii) आधुनिक शिक्षा प्राप्त बुद्धिजीवियों के द्वारा ही ब्रिटिश शासन का ध्यान भारतीयों के दयनीय दशा की ओर आकर्षित किया गया तथा सुधार के पक्ष में आवाज उठाई गई

इन्हीं कारणों से आधुनिक शिक्षा ब्रिटिश के लिए दो धारी तलवार सिद्ध हुई जिसने ब्रिटिश को कम ही लाभान्वित किया किंतु निश्चित रूप से ब्रिटिश शासन के नींव पर चोट की।

नकारात्मक पहलू
- वैज्ञानिक एवं लोकतांत्रिक विचारों को बढ़ावा
- सामाजिक बुराइयों एवं अंधविश्वासों के उन्मूलन में मदद
नकारात्मक
- जन शिक्षा की उपेक्षा
- शिक्षित व्यक्तियों और जनता के बीच व्यापक खाई बढ़ा
मुख्य बिंदु हाईलाइट करें

लड़कियों की शिक्षा की उपेक्षा
जिलेवार कोई बजट आवंटित नहीं

निष्कर्ष अच्छा है

प्रस्तुतीकरण बेहतर
कर सकते थे

5.5

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) 19वीं शताब्दी में भारत में आधुनिक शिक्षा नीतियों के विकास का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 20

Critically examine the evolution of modern education policies in India in the 19th century. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) उन्नीसवीं सदी में भारतीय पुनर्जागरण और राष्ट्रीय अस्मिता के उद्भव के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिये। 15

Examine the linkages between the nineteenth century's Indian Renaissance and the emergence of national identity. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) प्लासी में बोए गए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के बीज बक्सर के युद्ध के बाद संवर्द्धित हुए। परीक्षण कीजिये। 15

The seeds of British imperialism sown at Plassey flowered after the Battle of Buxar. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) कर्नाटक युद्धों में ब्रिटिश विजय के कारणों का सविस्तार वर्णन कीजिये। 20

Enumerate the causes of British triumph in carnatic wars. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अठारहवीं सदी के मध्य में भारत में तीन कर्नाटक युद्ध लड़े गए जिसमें से एक पक्ष ब्रिटिश तथा उसके सहयोगी भारतीय राज्य थे वहीं दूसरा पक्ष फ्रांस तथा उसके सहयोगी भारतीय राज्य थे। गौरतलब है कि यह युद्ध मुख्यतः यूरोपीय युद्ध का विस्तार थे।

भूमिका प्रभावी है।

तीन कर्नाटक युद्ध :

(i) प्रथम कर्नाटक युद्ध (1844-48) :-

मुख्यतः ब्रिटिश द्वारा शुरू किए फ्रांस को अंतिम रूप से सफलता प्राप्त हुई

* एक्स - ला - शापेल की संधि के द्वारा इस युद्ध का अंत होना।

अवधारणात्मक समझ बेहतर है।

भाषा-शैली अच्छी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② द्वितीयक कर्नाटक युद्ध (1849-56) :-

ब्रिटेन के समानांतर फ्रांस की हार तथा डूप्ले को फ्रांस वापस बुलाया जाना।

③ तृतीय कर्नाटक युद्ध (1856-63) :-

वाण्डीवाश के युद्ध में फ्रांस का निर्णायक रूप से हार जाना तथा पेरिस की संधि के तहत ~~18~~ (1763) फ्रांस का पाण्डुचेरी तथा चंद्रनगर तक सीमित रहना।

विश्लेषण दक्षता प्रभावी है।

* कर्नाटक युद्ध में ब्रिटिश विजय के कारण :-

(i) ब्रिटेन को ~~क्लाइव~~ क्लाइव से लेकर आयरकूट तक अनेक योग्य अधिकारियों के सेवा प्राप्त होना।

(ii) ब्रिटिश ईस्ट कंपनी पर सरकारी हस्तक्षेप का न होना तथा इसे अपने निर्णय ~~लि~~ लेने की पर्याप्त स्वतंत्रता होना।

- ब्रिटिश नौ: सेना का प्रभुत्व
- यूरोपीय गतिशीलता का प्रभाव

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) बंगाल के लूट से (प्लासी के युद्ध में विजय के बाद) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के पास प्रचुर संसाधन की उपलब्धता फलतः युद्ध में उसकी स्थिति हुई बेहतर।

(iv) भारतीय शासकों का ब्रिटेन तथा फ्रांस की आर्थिक मीमांसा कर पाने में विफल रहना।

(v) फ्रांसीसी ईस्ट-इंडिया कम्पनी पर सरकारी हस्तक्षेप के कारण स्वतंत्रता-पूर्वक निर्णय लेने की शक्ति न होना।

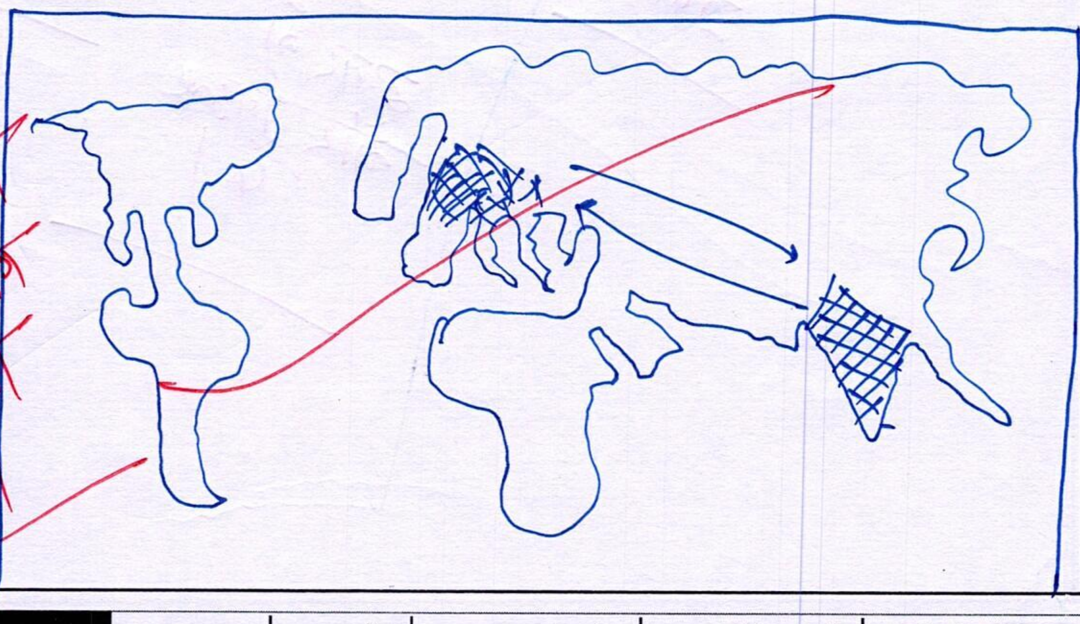

मानचित्र का प्रयोग प्रभावी है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

- इंग्लैंड की अपनी भौगोलिक स्थिति से लाभ
- गृह सरकार का समर्थन
- अंग्रेजों की मजबूत वित्तीय स्थिति
- रणनीतिक एवं आर्थिक रूप से प्रमुख क्षेत्रों पर नियंत्रण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vi) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी का अधिक संगठित होना

बंगाल विजय के साथ ही कर्नाटक युद्ध में ब्रिटिश विजय ने भारत में ब्रिटिश सत्ता को निर्विवाद रूप से स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई

- फ्रांसीसी समन्वय का अभाव
- बेहतर ब्रिटिश नेतृत्व
- डूप्ले की रणनीतिक त्रुटि आदि का उल्लेख

निष्कर्ष ठीक है।

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर बेहतर प्रयास

9.5 / 20

कंटेंट दक्षता ठीक है।

उत्तर को और विस्तार दें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) स्थायी बंदोबस्त ब्रिटिश शासन की सभी चुनौतियों के बावजूद शांति सुनिश्चित करने के लिये एक कदम था। 15

Permanent settlement was a step to ensure tranquility to the British regime despite all its challenges. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थायी बंदोबस्त बंगाल, बिहार उड़ीसा तथा मद्रास व बनारस के कुछ क्षेत्रों में ब्रिटिश द्वारा लागू की गई एक भू-राजस्व प्रणाली थी, जिसने ब्रिटिश शासन को सशक्त आर्थिक आधार तथा प्रशासनिक सुविधा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई।

भूमिका प्रभावी है।

स्थायी बंदोबस्त की विशेषताएं :-

विशेषताएँ
- (i) मुख्यत: पूर्वी भारत में लागू किया जाना
- (ii) भू-राजस्व के दर को हमेशा के लिए स्थायी कर दिया जाना
- (iii) जमींदारों के माध्यम से भू-राजस्व की वसूली

विषय-वस्तु की समझ बेहतर है।

फ्लो चार्ट का प्रयोग प्रभावी है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) भू - राजस्व का अत्यंत उच्च दर

स्थायी बंदोबस्त का उद्देश्य :

उद्देश्य :-

- (i) ब्रिटिश शासन को स्थाई तथा सशक्त आधार प्रदान करना
- (ii) भू - राजस्व की वसूली में जमींदारों की भूमिका सुनिश्चित कर प्रशासनिक सुविधा को बढ़ाना क्योंकि लाखों किसानों की तुलना में सैकड़ों जमींदारों से भू - राजस्व वसूली कहीं आसान।
- (iii) राजस्व के दर का स्थाई निर्धारण से भ्रष्टाचार की संभावना में कमी
- (iv) कीमतों में वृद्धि से जमींदारों को लाभ अपेक्षित था फलतः सरकार द्वारा ज़मींदारों से भूमि सुधारों की अपेक्षा

विश्लेषण दक्षता प्रभावी है।

आर्थिक प्रभाव

- कृषि का व्यवसायीकरण एवं किसानों की समस्या

- एक वफादार वर्ग का निर्माण

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(V) जमींदारों के रूप में सशक्त सहयोगी वर्ग का उद्भव

स्थाई बंदोबस्त की सीमाएँ

सीमाएँ
- (i) जमींदारों का सहयोगी बना किंतु लाखों किसानों का विद्रोही बन जाना
- (ii) भू-राजस्व के उच्च दर से किसानों की दशा दयनीय
- (iii) प्रशासनिक सहजता के स्थान पर स्थायी कानून में प्रशासनिक जटिलता को बढ़ावा दिया
- (iv) सरकार भविष्य में भू-राजस्व की दर में वृद्धि के अधिकार से वंचित हो गई।
- (v) जमींदारों ने भूमि सुधार में रुची नहीं ~~दिखाई~~

उपरोक्त सीमाओं के बावजूद ब्रिटिश शासन की सभी चुनौतियों के बावजूद शांति सुनिश्चित करने के लिए एक कदम की दिशा में एक प्रयास था।

स्थायी बंदोबस्त गहरे आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव वाली एक रणनीतिक औपनिवेशिक नीति के रूप में।

उच्च लगान एवं अनिश्चित कार्यकाल के कारण किसानों की उपेक्षा की एवं अशांति बढ़ गयी।

निष्कर्ष ठीक है। बेहतर बनाये

7.5/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) जनमत को संगठित करने के साथ, पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रचार में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। चर्चा कीजिये। 15

With the contribution to the consolidation of public opinion, the press became the chief instrument in the propagation of nationalist ideology. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1789-80 में शुरू हुआ बंगाल गजट 19वीं सदी में भारतीय पत्रकारिता का मुख्य आधार माना जाता है। भारतीय पत्रकारिता ने न केवल जनमत को संगठित करने अपितु राष्ट्रीय चेतना के प्रसार में भी अहम भूमिका निभाई।

परिचय अच्छा है।

कुछ अहम राष्ट्रवादी पत्रकार व पत्रकाएँ

(i) राजाराम मोहन राय
(ii) भारतेंदु हरिश्चंद्र
(iii) युगांतर
(iv) काली
(v) यंग इंडिया

विषय-वस्तु की समझ बेहतर है।

- 'द अमृत बाजार' पत्रिका
- द ट्रिब्यून ऑफ लाहौर
- द हिंदू कॉलेज

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जनमत को संगठित करने तथा राष्ट्रीय भावना के विस्तार में पत्रकारिता की भूमिका

भूमिका

(i) लोगों को ब्रिटिश द्वारा अपनाई जा रही कुरीतियों से अवगत कराना।

(ii) राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र, स्वतंत्रता और समानता जैसे विचारों का प्रचार करना।

(iii) सामाजिक कुरीतियों पर चोट करना तथा इसके प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित करना।

(iv) जनमत को विषय विशेष के प्रति संगठित करना।

पत्रकारिता के उपरोक्त भूमिका के कारण ही 1857 की क्रांति के पश्चात् सेना में पत्रपत्रिकाओं पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया गया इसके अतिरिक्त विभिन्न गवर्नर जनरलों (लार्ड लिटन) के द्वारा प्रेस सेंसरशिप लगाने की कोशिश की गई।

- इसने सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में अंतर-प्रांतीय एवं राष्ट्रीय सहयोग के कार्यक्रमों की दैनिक एवं व्यापक चर्चा को संभव बनाया।

- प्रान्तीय साहित्य और संस्कृतियों के विकास में मदद

- पत्रकारिता के बिना अखिल भारतीय सम्मेलन करना कठिन

निष्कर्ष जोड़ने की आवश्यकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइंस, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टॉवर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) राजा राममोहन राय या ईश्वर चंद्र विद्यासागर द्वारा शुरू किये गए सामाजिक और धार्मिक आंदोलन नए भारतीय मध्यम वर्ग और पश्चिम के बीच विचारों के पारस्परिक अंतःक्रिया के परिणाम थे। परीक्षण कीजिये। 20

The social and religious movements launched by Ram Mohan or Iswar Chandra Vidyasagar emerged from the interaction between the new Indian middle class and the West. examine. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान कृषि के व्यावसायीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था और इसकी ग्रामीण आबादी को किस प्रकार प्रभावित किया? 15

How did the commercialisation of agriculture during British rule affect the Indian economy and its rural populace? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) औपनिवेशिक काल में गैर-औद्योगिकीकरण का रोज़गार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। टिप्पणी कीजिये। 15

De-industrialisation had an adverse impact on employment in the colonial period. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम पर जनजातीय आंदोलनों के प्रभाव का आकलन कीजिये।

Assess the Impact of Tribal Movements in Colonial India on the National Freedom Struggle.

औपनिवेशिक शासन के दौरान देशभर में तथा अलग - अलग कालों मे कोल -विद्रोह से लेकर मुंडा विद्रोह और संथाल विद्रोह से लेकर आन्ध्रप्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू के नेतृत्व में चलाया गया आंदोलन जैसे अनेक जनजातीय आंदोलन घटित हुए

भूमिका प्रभावी है।

कारण :
- (i) जनजातीयों के परम्परागत मूल्यों पर औपनिवेशिक शासन के द्वारा चोट किया जाना
- (ii) दिकुओं के द्वारा जनजातीयो का शोषण
- (iii) झूम कृषि पर रोक लगाया जाना
- (iv) शराब बनाने के बदले उत्पाद शुल्क वसूला जाना

समाधारणात्मक समझ बेहतर है।

भाषा शैली अच्छी है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

v) ईसाई मिशनरियों द्वारा जबरन धर्म परिवर्तन करवाया जाना।

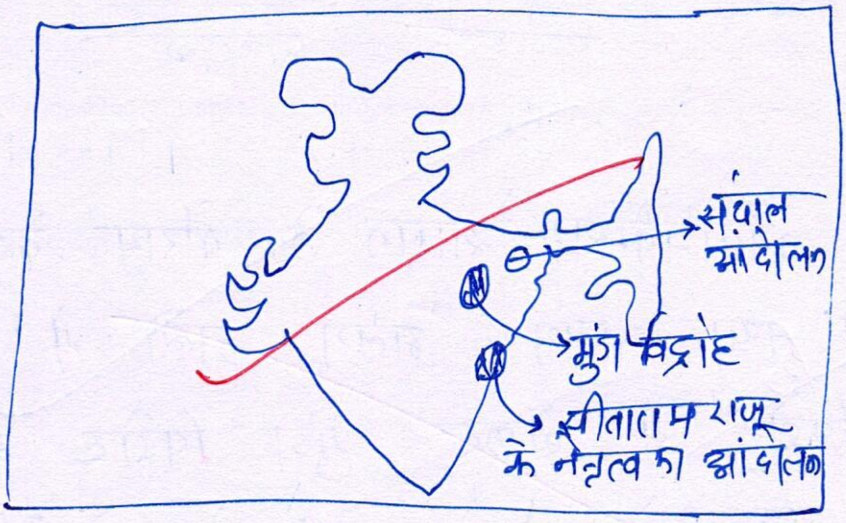

स्वतंत्रता संघर्ष पर जनजातीय आंदोलन का प्रभाव :—

प्रभाव

- (i) ग्रामीण प्रतिरोध की प्रथम अभिव्यक्ति
- (ii) जनजातीय आंदोलन से बाद के स्वतंत्रता सेनानियों का प्रेरित होना
- (iii) स्वतंत्रता आंदोलन को समावेशी बनाना
- (iv) स्वतंत्रता आंदोलन को बहुआयामी बनाकर ब्रिटिश पर दबाव डालना

इस तरह से तथाकथित असभ्य माने जाने वाले जनजातियों ने ही ब्रिटिश के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल फूंककर स्वतंत्रता आंदोलन को आरंभिक प्रेरणा में भूमिका निभाई।

जनजातीय विद्रोह मुख्य रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों, आर्थिक शोषण और सामाजिक अन्याय के खिलाफ प्रतिक्रिया थी।

मानचित्र के माध्यम से दर्शाना प्रभावी है।

– व्यापक असंतोष को उजागर
– सामाजिक-आर्थिक स्तरों को शामिल करते हुए समावेशी राष्ट्रवादी प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

निष्कर्ष के स्तर पर

5.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) पंजाब का विलय महाराजा रणजीत सिंह के निधन के बाद शुरू की गई व्यापक उत्तर-पश्चिम सीमा नीति का एक घटक था।
Annexation of Punjab was a component of an extensive north-west frontier policy initiated following Maharaja Ranjit Singh's demise.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

—— 1839 में महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु के उपरांत अंग्रेजो ने 1809 की संधि का उल्लंघन करते हुए द्वितीय-आंग्ला-सिक्ख युद्ध के उपरांत पंजाब का अधिग्रहण कर लिया। ~~जिस~~ जो अन्य कारणो के अतिरिक्त अंग्रेजो द्वारा शुरू किए उत्तर-पश्चिम सीमा रणनीति का एक घटक था।

भूमिका अच्छी है।

संबंधित तथ्य व कारण

(i) पंजाब का एक कपास उत्पादक राज्य होना (ब्रिटिश उद्योगों हेतु कच्चा माल)

(ii) बड़ी आबादी के कारण पंजाब का ब्रिटिश उत्पादों हेतु बड़ा बाजार होना

(iii) संसाधनो से भरा समृद्ध पंजाब पर ब्रिटिश की लालचपूर्ण निगाह

(iv) उत्तर-पश्चिम में महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर पंजाब का स्थित होना

विषय-वस्तु की समझ बेहतर है।

हैण्डराइटिंग अच्छा है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) ब्रिटिश साम्राज्य को रूसी आक्रमण से सुरक्षित करना

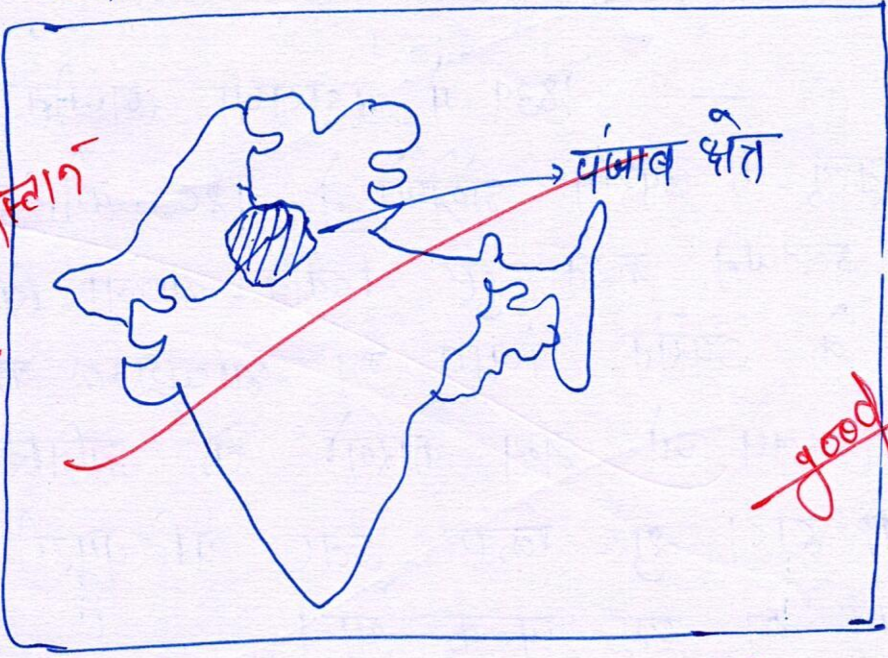

ब्रिटिश की उत्तर-पश्चिम सीमा नीति को मूर्त रूप देने में पंजाब की आंतरिक परिस्थितियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया

परिस्थितियाँ:

(i) रणजीत सिंह की मृत्यु के पश्चात उत्तराधिकार हेतु संघर्ष
(ii) सेना का अनुशासनहीन हो जाना
(iii) सिविल तथा राजनीतिक नेतृत्व के बीच मतभेद
(iv) महत्वपूर्ण अधिकारियों का राजद्रोही हो जाना।

उपरोक्त परिस्थितियों ने ही पंजाब का ब्रिटिश शासन में विलय करवाकर उनकी उत्तर पश्चिम सीमा को वास्तविकता का जामा पहनाया।

- ब्रिटिश भारत एवं अफगानिस्तान के बीच एक अंतस्थ राज्य के रूप में
- भू-राजनीति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर नवाचारी प्रयास

good

कंटेंट क्षमता अच्छी है

भविष्य के संघर्षों और इन क्षेत्रों में सैन्य उपस्थिति की स्थापना के लिए मंच तैयार हुआ।

निष्कर्ष ठीक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) दक्षिण भारत में 'रैयतवारी बंदोबस्त' की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिये।

Discuss the main features of the 'Ryotwari Settlement' in South India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दक्षिण भारत में भू-राजस्व की एक विशेष प्रणाली ब्रिटिश शासन के द्वारा शुरू की गई जिसे रैय्यतवाड़ी प्रणाली के नाम से जाना जाता है।

रैय्यतवाड़ी बंदोबस्त की विशेषताएँ

(i) पहले 'रीड' और 'मुनरो' के द्वारा इसे लागू किया जाना

(ii) आरम्भ में किसानों को इच्छानुरूप भूमि चुनने का अधिकार किंतु सरकार को नुकसान होने के कारण बाद में सरकार द्वारा किसानों को भूमि का आवंटन किया जाना

(iii) 'डेविड रिकार्डो' के लगान प्रणाली से प्रेरित

(iv) कुल उत्पादन का (60%) से अधिक राजस्व के रूप में वसूला जाना।

(v) भू-राजस्व का आकलन वास्तविक ~~अनुमानों~~ उत्पादन पर न किए जाने के कारण किसानों की

परिचय ठीक है।

सरकार को सीधा कर देने के लिए उत्तरदायी

आख्या/व्याख्या समझ अच्छी है

भाषा प्रवाह प्रभावी है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दशा और भी खराब

(vi) स्थायी बंदोबस्त के विपरीत रैय्यतवाड़ी बंदोबस्त में कर के दर में वृद्धि का सरकार को अधिकार।

(v) दक्षिण भारत में तथा बम्बई प्रांत में प्रचलित

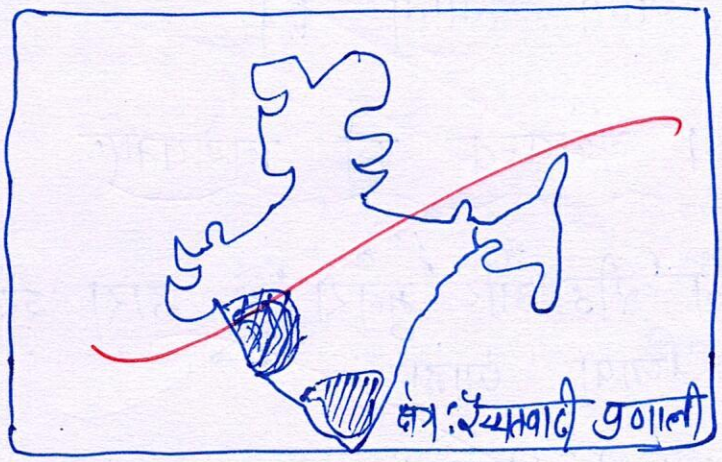

रैय्यतवाड़ी प्रणाली के कारण :-

कारण
- (i) अधिक धन की आवश्यकता
- (ii) स्पष्ट जमींदार वर्ग का दक्षिण में अभाव
- (iii) स्थायी बंदोबस्त की सीमाओं को देखते हुए अपेक्षित सुधार
- ~~(iv)~~

इस रूप में भारत में औपनिवेशिक के दौरान प्रचलित तीन भू-राजस्व प्रणालियों में से एक रैय्यतवाड़ी प्रणाली दक्षिण भारत में सरकार का प्रमुख स्रोत (आय का) था

विश्लेषण स्पष्ट है प्रभावी है

इस प्रणाली का उद्देश्य बिचौलियों को कम करना एवं राजस्व दक्षता में वृद्धि करना - भूमिजोत एवं खेती के लिए अधिक व्यक्तिवादी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना

मानचित्र के माध्यम से दर्शाना प्रभावी है

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर सार्थक प्रयास

निष्कर्ष ठीक है

5.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन में हस्तशिल्प उद्योगों के ह्रास के परिणामों की चर्चा कीजिये।
Consequences of the ruin of handicraft industries under the rule of the East India Company.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ईस्ट इंडिया कम्पनी के शासन ने वैसे तो भारत में कई आर्थिक दुष्परिणामों को जन्म दिया किंतु हस्तशिल्प उद्योगों का पतन इनमें से संभवतः सर्वप्रमुख था।

पारिचय ठीक है।

* हस्तशिल्प उद्योगों के पतन का कारण :-

कारण
(1) एक तरफा मुक्त व्यापार की व्यवस्था
(2) रेलवे के द्वारा कच्चे माल के निर्यात तथा तैयार माल के आयात को प्रोत्साहन
(3) समृद्ध वर्ग के पतन (भारतीय) से विलासितापूर्ण सामग्री के मांग में कमी

अर्थव्यवस्था एवं समाज पर दूरगामी प्रभाव

विषय-वस्तु की समझ अच्छी है

भारतीय उत्पादों पर भारी कर लगाने, संरक्षण और समाप्त करने से ह्रास में और वृद्धि

* हस्तशिल्प उद्योगों के पतन के परिणाम :-
(i) हस्तशिल्पियों के बीच गहन बेरोजगारी।
(ii) ग्रामीण गरीबी तथा ऋणग्रस्तता में वृद्धि।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) कृषि अर्थव्यवस्था पर जनसंख्या का अतिरिक्त दबाव

(iv) भुखमरी एक प्रमुख परिणाम

(v) अकाल के घटनाओं में वृद्धि

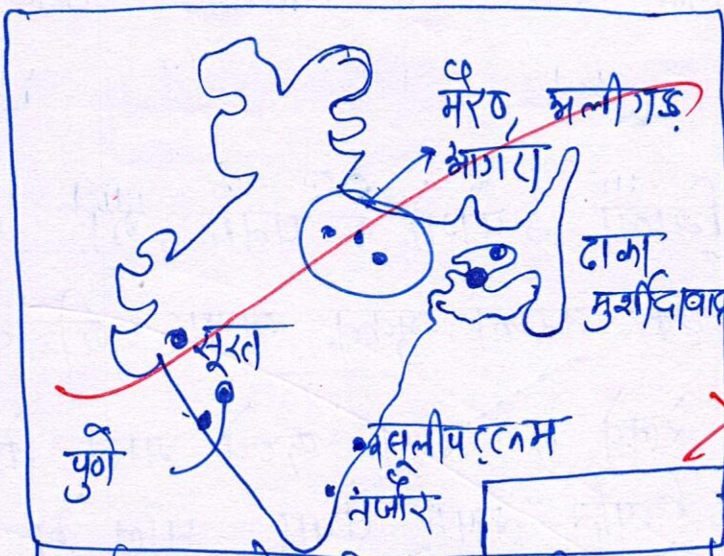

हस्तशिल्प उद्योग के पतन का शिकार हुए प्रमुख भारतीय क्षेत्र

यद्यपि 19वीं सदी के उत्तरार्ध तथा 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में कुछ आधुनिक उद्योगों की स्थापना तो हुई किंतु वह हस्तशिल्प उद्योगों की पतन की भरपाई न कर सके।

कंटेंट दृष्टा ठीक है

शहरी केंद्रों का पतन
कारीगरों को कृषि की ओर लौटने के लिए बाध्य
आर्थिक पलायन में वृद्धि

प्रस्तुतीकरण का स्तर पर बेहतर प्रयास

v. good

निष्कर्ष ठीक है

5.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) वर्ष 1821 और वर्ष 1929 के बीच भारत में सामाजिक सुधार और सामाजिक परिवर्तन की मुख्य प्रवृत्तियों का परीक्षण कीजिये।

Examine the main trends in social reform and social change in India between 1829 and 1929.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1821 से 1929 के बीच भारत में औपनिवेशिक शासन द्वारा किए सामाजिक सुधारों को औपनिवेशिक हित के परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है जिसे दो मुख्य चरणों में बाँटकर देखा जा सकता है

भूमिका ठीक है।

दो चरण

- औद्योगिक पूंजीवाद का चरण (1857 तक)
  - सामाजिक सुधारों को ब्रिटिश औद्योगिक पूंजीवाद के हित में लाया गया जिसका उद्देश्य भारत में ब्रिटिश औद्योगिक उत्पादों के बाजार का विस्तार करना था
- वित्तीय पूंजीवाद का चरण (1857 से आगे)
  - 1857 की क्रांति से भयभीत अंग्रेजों ने भारतीयों के दबाव में ही सामाजिक सुधारों को प्रोत्साहन दिया

अनावश्यक रूप से बड़ा है।

फ्लो-चार्ट का प्रयोग प्रभावी है।

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1821 से 1829 के बीच हुए प्रमुख सुधार

सुधार

(i) 1829 में राजाराम मोहन राय के प्रयास से 'सती प्रथा' का उन्मूलन

(ii) 1830 के दशक में 'शिशु बलि पर प्रतिबंध' को कठोरता से लागू किया जाना

(iii) 1843 में 'दास प्रथा' का उन्मूलन

(iv) 1856 में विधवा पुनर्विवाह को कानूनी स्वीकृति

(v) 1891 को एज ऑफ कन्सेंट एक्ट के तहत विवाह की आयु बढ़ाना (बहराम जी मालाबारी)

(vi) 1929 के शारदा एक्ट के द्वारा लड़के एवं लड़की के विवाह को क्रमशः 16 व 14 वर्ष करना।

उपरोक्त सामाजिक सुधार तात्कालिक रूप से तो भारतीय परम्पराओं पर आघात के रूप में देखे गए किंतु दीर्घकाल में इसका सकारात्मक सामाजिक प्रभाव देखने को मिला।

- राजा राममोहन राय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर और ज्योतिराव फूले जैसे सुधारकों ने शिक्षा, महिलाओं के अधिकारों और जाति के उन्मूलन के लिए वकालत की।

ब्रह्म समाज, आर्य समाज एवं राम कृष्ण मिशन ने धार्मिक और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा

- राष्ट्रवादी विमर्श का उदय

निष्कर्ष ठीक है

प्रस्तुतीकरण बेहतर

5.5 / 10

कंटेंट

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टॉवर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि वर्ष 1857 का विद्रोह अभिजात्यवादी प्रकृति का था? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिये। 20

Do you agree with the view that the Revolt of 1857 was elitist in nature? Justify your answer. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

परम्परागत इतिहास लेखन में 1857 के विद्रोह को अभिजात्य प्रकृति का माना जाता रहा

शुरुआत ठीक है।

पक्ष में तर्क

(i) विद्रोह का नेतृत्व मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के द्वारा किया जाना (औपचारिक रूप से)

(ii) विद्रोह में विभिन्न भारतीय रियासतों के शासकों का बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना (झाँसी की रानी - लक्ष्मीबाई, मराठा पेशवा का उत्तराधिकारी - नाना साहिब, अवध की बेगम - हजरत महल और जगदीशपुर के बाबू कुँवर सिंह)

यह स्थिति जनता की भूमिका को तुच्छ बनाती है।

विषय-वस्तु की समझ अच्छी है।

(iii) विद्रोह में बड़ी संख्या में असंतुष्ट जमींदारों व तालुकदारों का भाग लेना

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) विद्रोह का मूल तात्कालिक रूप से धर्म के मुद्दे पर शुरू होना (धर्म के प्रति कुलीनों में अधिक संवेदनशीलता)

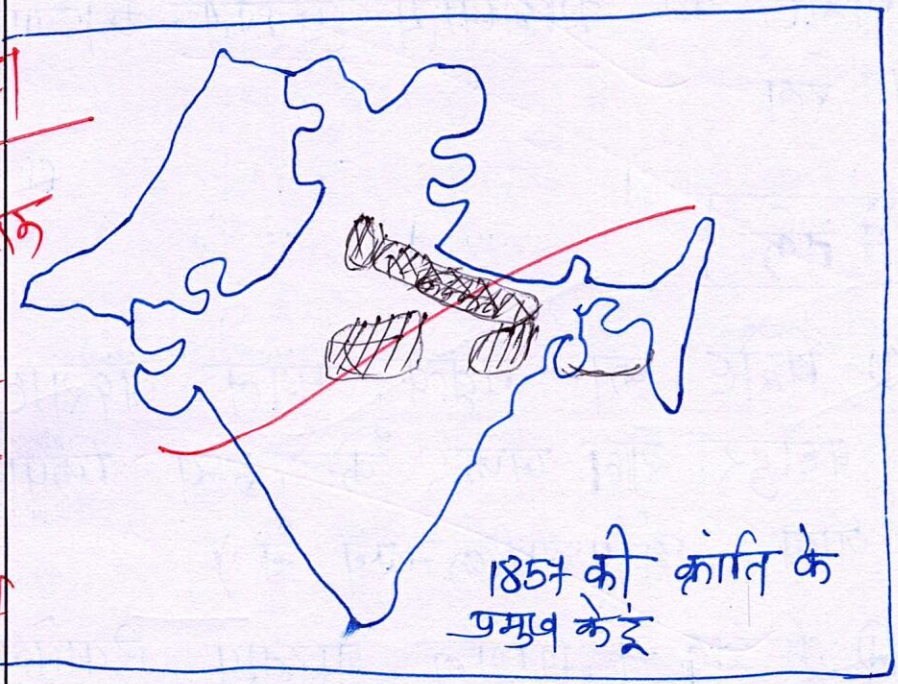

हालांकि हालिया अनुसंधानों ने 1857 की क्रांति के सन्दर्भ में परम्परागत अभिजात्यवादी प्रकृति की अवधारणा को कड़ी चुनौती दी है तथा इसके विपक्ष में तर्क पेश किया है।

विपक्ष में तर्क

→(i) बहादुर शाह जफर से लेकर कुँवर सिंह तक

विश्लेषण दृष्टता प्रभावी है।

औपनिवेशिक ब्रिटिश भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़।

अति भ्रष्ट और असंतुष्ट ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन और ...

मानचित्र के माध्यम से दर्शाना प्रभावी है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अधिकांश कुलीनो ने जनता के दबाव में ही आंदोलन का नेतृत्व संभाला था।

(ii) अधिकांश जमींदारों तथा शासकों का क्रांति को दबाने में ब्रिटिश का सहयोग देना
यथा –
↳ सिंधिया (लार्ड वैलेजली द्वारा ही इसको स्वकृति)

(iii) कुछ सीमित कुलीन किंतु लाखो की संख्या में आम जनता विशेषकर किसानो की विद्रोह में हिस्सेदारी होना

(iv) विद्रोह ~~में~~ का नेतृत्व स्थानीय स्तर पर जनजातीय नेताओं द्वारा भी किया जाना (संयुक्त प्रांत में शाहमल, तथा छोटानागपुर में ~~गोगुन~~ गोगुन)

(v) विद्रोह के दौरान साहूकारों तथा जमींदारों के ठिकानों पर आक्रमण किया जाना

(vi) दस्तावेजों को जलाया जाना।

- स्थानीय दुश्मनी में वृद्धि
- फूट डालो और राज करो की नीति का प्रचलन आदि का उल्लेख

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(vii) जनसंतोष की अभिव्यक्ति

(viii) 1857 के क्रांति के स्वरूप विद्रोह के स्वरूप के सही निरूपण मे "तिलिज्म" नामक अखबार तथा भोजपुरी गीत (बेहद ही उपयोगी।

> " फिरंगी कब जयभू छोड़ के हमार देशा बा "

कंटेंट की समझ प्रभावी है

v.good

अतएव यह कहा जा सकता है कि 1857 की क्रांति का चरित्र अभिजात्य होने से कहीं अधिक लोक जनमानस से जुड़ा हुआ था हॉलाकि कुलीन वर्ग की भागीदारी ने इसे अपने ढंग से प्रभावित किया।

(अतैव)

निष्कर्ष अच्छा है।

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर सराहनीय प्रयास

14.0/20

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "शांति की जीतें युद्ध से कम प्रसिद्ध नहीं थीं।" लॉर्ड विलियम बेंटिक के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिये। 15

"Peace had her victories no less renowned than war." Examine this statement with reference to Lord William Bentinck. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लार्ड विलियम बेंटिक अपने कार्यों के कारण विद्वानों के बीच हमेशा से ही चर्चा का विषय रहा है। जहाँ उसके प्रगतिशील कदमों ने भारत आधुनिकीकरण को प्रोत्साहन दिया वहीं उसने भारत में ब्रिटिश शासन के नींव को सुदृढ़ करने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसे आज भी आसानी से महसूस किया जा सकता हैं।

भूमिका संक्षेप में लिखना प्रभावी होगा

25 से 30 शब्द

अवधारणात्मक समझ बेहतर है।

* विलियम बेंटिक के कार्य

(i) 1829 में 'सती प्रथा' का उन्मूलन जो पहली केवल बंगाल तक सीमित था किंतु 1830 में इसे सम्पूर्ण भारत में लागू किया गया।

मुख्य बिंदु रेखांकित करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) भारतीय राज्यों का 'शांतिपूर्ण विलय' की उसकी नीति शासक वर्ग में असंतोष को उत्पन्न किए बिना ब्रिटिश हितों का संवर्धन किया (1831 में कुर्ग/कछार का विलय)

(iii) 1833 के चार्टर अधिनियम में विधि सदस्य के रूप में गवर्नर जनरल के परिषद में एक नए सदस्य की नियुक्ति का प्रावधान किया गया।

(iv) विलियम बेंटिक द्वारा नियुक्त प्रथम विधि सदस्य 'लार्ड मैकाले' के सुझावों पर तैयार भारतीय दंड संहिता (1860) ~~स्वतं~~ भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों बाद तक लागू रहा

(v) विलियम बैंटिक के कार्यकाल में ही आधुनिक शिक्षा पद्धति के रूप में अंग्रेजी भाषा तथा अंग्रेजी ज्ञान - विज्ञान पर ~~अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली~~

विश्लेषण दृष्टता प्रभावी है

सामाजिक सुधार

महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ करने के लिए

शैक्षिक सुधार का वर्णन प्रभावी

सुधारों के माध्यम से आधुनिक एवं प्रगतिशील भारत की नींव रखी

विधिक सुधार

न्यायिक प्रणाली आमलोगों के लिए अधिक सुलभ एवं समझने योग्य बनाया

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आधारित मैकाले शिक्षा प्रणाली लागू किया गया जो आज भी भारतीय शिक्षा व्यवस्था में अपनी गहरी जड़े जमाए हुए हैं।

विलियम बैंटिक के उपरोक्त सुधारों के दीर्घजीवी रहने के कारण ही यह प्राय: कहा जाता है कि शांति की जीत युद्ध से कम प्रसिद्ध नही होती और जहाँ 15 अगस्त 1947 को ही भारत कलाइव के चंगुल से आजाद हो गया था वहीं विलियम बैंटिक आज भी हमारे बीच मुस्कुरा रहा है।

प्रशासनिक सुधार
जिसके द्वारा शिशु हत्या एवं सती की प्रथा पर अंकुश

निष्कर्ष प्रभावी है

प्रस्तुतीकरण बेहतर है

कंटेंट पूर्णता बेहतर है

7/15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बंगाल में स्वदेशी आंदोलन एक आत्म-संवृद्धि आंदोलन के रूप में विकसित हुआ। विश्लेषण कीजिये। 15

The Swadeshi Movement in Bengal developed into a self-strengthening movement. Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1905 में बंगाल विभाजन के विरोध स्वरूप उत्पन्न हुआ स्वदेशी आंदोलन अपने आप में आत्मसंवृद्धि आंदोलन के रूप में विकसित हुआ।

शुरुआत ठीक है।

कुछ संबंधित तथ्य

(i) आंदोलन के क्रम में बंगाल के सभी वर्गों का कम या अधिक भागीदारी होना।

(ii) आंदोलन का विस्तार देश के विभिन्न क्षेत्रों में होना यथा-
- बंगाल
- पंजाब
- बम्बई
- आंध्रप्रदेश

(iii) आंदोलन की अभिव्यक्ति अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग रूप में होना यथा- बंगाल में इसका आर्थिक स्वरूप न होना।

प्रस्तुतीकरण के स्तर पर सराहनीय प्रयास

स्वदेशी आंदोलन ने स्वतंत्रता और आत्मनिर्भय के लिये भारत के लंबे संघर्ष हेतु एक मजबूत नींव रखी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

बम्बई में इसका धार्मिक पुनर्उत्थानवादी होना और आंध्रप्रदेश में वंदे मातरम् आंदोलन के रूप में उभरना।

(iv) आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय उद्योग, कारखाने व कार्यशालाओं की स्थापना की जाना (यथा : P.C. Ray के द्वारा 'बंगाल केमिकल्स' की स्थापना

(v) आंदोलन के दौरान रवीन्द्रनाथ टैगोर, सतीश चन्द्रा जैसे विद्वानों के द्वारा देशी साहित्यों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाना।

(vi) इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान की स्थापना किया जाना।

(vii) लोगों में राष्ट्रीय चेतना का उच्च स्तर, यहां इतना तक कि नाई, धोबी और पंडितों के द्वारा उन विवाह समारोह में शामिल ~~किए~~ होने से इंकार का किया जाना जहां विदेशी वस्तुओं का उपयोग किया जाता।

विश्लेषण दक्षता प्रभावी है।

स्वदेशी आंदोलन ने पत्रिकाओं और सम्मेलनों के द्वारा उदारवादी चरण से औपनिवेशिक शासन के खिलाफ अधिक मुखर रूप में परिवर्तन को चिन्हित किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

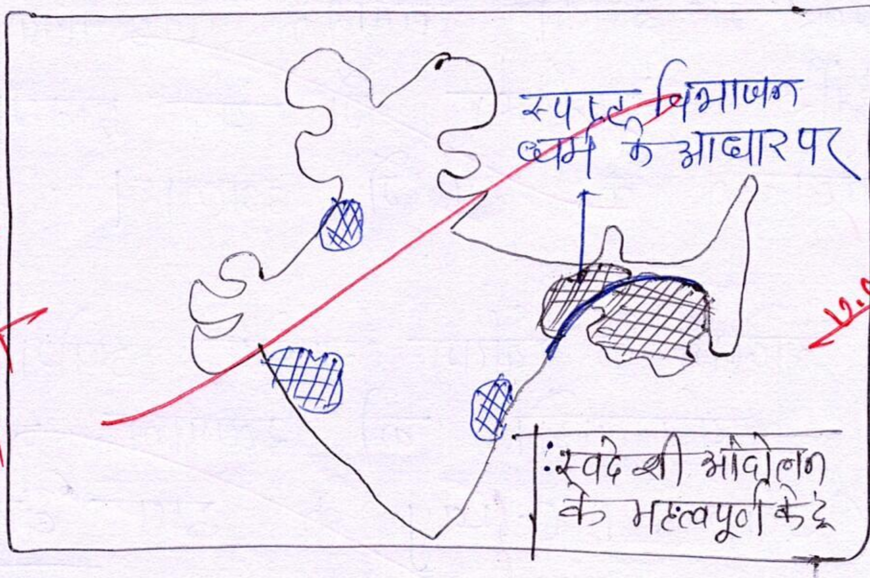

मानचित्र के माध्यम से दर्शाना प्रभावी है

v.good

स्वदेशी आंदोलन में ही औपनिवेशिक शासन को अपनी नीतियों को वापस लेना तथा जनमत के बीच राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में अहम भूमिका निभाई।

निष्कर्ष अच्छा है

कंटेंट को समझ बेहतर है।

7.5/15

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी द्वारा समायोजित व्यापक जनाधार के लिये योगदान देने वाले सामाजिक-राजनीतिक कारकों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। गांधीजी की कार्यप्रणाली और विचारधारा पूर्व की राष्ट्रवादी रणनीतियों से किस प्रकार भिन्न थीं? 20

Critically analyze the socio-political factors that contributed to Mahatma Gandhi's mass appeal in the Indian National Movement. How did Gandhi's methodologies and ideologies mark a departure from the earlier nationalist strategies? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में साइमन कमीशन के राजनीतिक निहितार्थ एवं इसके प्रति राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया का आकलन कीजिये। इस प्रतिक्रिया ने स्वतंत्रता संग्राम में भावी घटनाओं को कैसे आकार दिया? 15

Assess the political implications and the nationalist response to the Simon Commission in India. How did this response shape subsequent events in the struggle for independence? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) खिलाफत आंदोलन एक 'दोधारी तलवार' था। आंदोलन की दोहरी प्रकृति और हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। 15

Khilafat Movement was a 'double-edged sword'. Analyze the dual nature of the movement and its impact on Hindu-Muslim relations. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) उस परिस्थिति का परीक्षण कीजिये जिसके कारण तीसरा मैसूर युद्ध हुआ। 20

Examine the circumstance which led to the third Mysore War. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मैसूर आरंभ से ही अंग्रेजो के लिए आकर्षण का केंद्र होने के साथ ही उनके मार्ग में सबसे बड़ी बाधा था इन्हीं कारणों से भारत में ब्रिटिश शासन को स्थापना (1757 -1764) तत्काल बाद से अगले तीन दशकों में चार आंग्ला - मैसूर युद्ध हुए।

भूमिका प्रभावी है

चार आंग्ला मैसूरयुद्ध

(i) प्रथम आंग्ला मैसुर युद्ध :- (1769) (ब्रिटिश मद्रास को संधि के लिए विवश

(ii) द्वितीय आंग्ला मैसूर युद्ध (1780 -84) - मंगलौर को संधि के तहत समाप्त

(iii) तृतीय आंग्ला मैसूर युद्ध (1790 -92):- श्रीरंगपट्टनम को संधि से समाप्त

(iv) चतुर्थ आंग्ला-मैसूर युद्ध (1798) :- टीपू को हत्या

सामान्यात्मक [नम्बर बेहतर है]

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

V. good

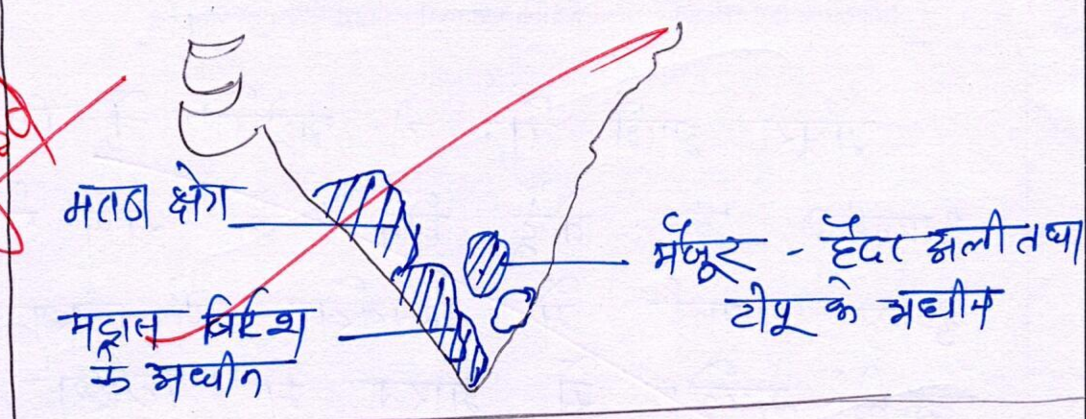

सभी पक्षों का संतुलित विश्लेषण प्रभावी है।

आंग्ला मैसूर युद्ध के सामान्य कारण :-

- (i) मद्रास के निकट शक्तिशाली मैसूर राज्य के अवस्थिति से ब्रिटिश मे अशंका व्याप्त
- (ii) ब्रिटिश के द्वारा मैसूर से मालाबार क्षेत्र को छीनने की कोशिश
- (iii) मैसूर तथा ब्रिटिश दोनों के ही द्वारा आपसी संधि व समझौते का सम्मान न किया जाना

ब्रिटिश राजनीतिक हित

* तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के जिम्मेदार विशेष कारण :-

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारण

(i) लॉर्ड कार्नवालिस के द्वारा निज़ाम को एक पत्र लिखा जाना जिसमें ब्रिटिश तथा के मित्रों तथा सहयोगी की सूची का उल्लेख किंतु इसमें मैसूर अथवा टीपू का नाम नहीं।
फलतः- परस्पर अविश्वास को बढ़ावा मिला

(ii) टीपू सुल्तान के द्वारा ब्रिटिश के द्वारा संरक्षित क्षेत्र 'त्रावणकोर' पर हमला किया जाना जिसे ब्रिटिश ने अपनी संप्रभुता पर हमला माना।

(iii) द्वितीय आंग्ला - मैसूर युद्ध (1780-84) यदि तो औपचारिक रूप से मंगलौर की संधि के द्वारा समाप्त किंतु वास्तव में यह महज युद्ध विराम था।

* तृतीय आंग्ला-मैसूर युद्ध का परिणाम:-

- अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता
- फ्रांस से सहायता लेने का प्रयास
- आटोमन साम्राज्य के साथ संबंध स्थापित

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(i) टीपू तथा मैसूर की हार तथा जबकि ब्रिटिश की जीत

(ii) क्षतिपूर्ति के रूप में मैसूर से 3 करोड़ 30 लाख रुपए ब्रिटिश द्वारा वसूला जाना

(iii) मैसूर का आधा भू-भाग ब्रिटिश द्वारा टीपू से छीना जाना

परिणाम

(iv) छीने हुए भू-भाग के छोटे से हिस्से को निजाम तथा मराठों के बीच बांट दिया जाना जबकि शेष को अपने नियंत्रण में रखना

(v) कार्नवालिस ने घोषित किया

"हमने अपने मित्रों को मजबूत ~~बिना~~ बनाए बिना अपने शत्रु को कमजोर कर दिया"

वैसे तो तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध ब्रिटिश के पक्ष में समाप्त हुआ किंतु आंग्ल-मैसूर संघर्ष में इसने ब्रिटिश के अधिक शक्तिशाली होने के तथ्य को उजागर कर दिया।

विगत संघर्षों की विरासत

प्रस्तुतीकरण बेहतर पर सार्थक प्रयास

महत्वपूर्ण बिंदु

निष्कर्ष ठीक है

11.5/20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(b) वैचारिक विभेद और क्षेत्रीय विविधता वर्ष 1857 के विद्रोह की विफलता का कारण बनी। टिप्पणी कीजिये। 15

Ideological disunity and regional heterogeneity precipitated the collapse of the revolt of 1857. Comment. 15

1857 का विद्रोह आधुनिक भारत के इतिहास में एक विभाजक रेखा के रूप में सामने आया जिसके मूल उत्पत्ति के कई कारण माने जाते हैं।

परिचय ठीक है

1857 की क्रांति के कारण :-

(i) औपनिवेशिक काल के औद्योगिक वाणिज्यवादी हित में ब्रिटिश साम्राज्य का तीव्रता से प्रत्यक्ष विस्तार किया जाना और हर एक विस्तार का अर्थ था शासक वर्ग तथा सेना का बेरोजगार होना और उनका असंतुष्ट तत्वों में शामिल होना।

(ii) औपनिवेशिक शासन की शोषणमूलक कृषि नीति के कारण कृषकों पर भू-राजस्व भारी दबाव और फिर कृषकों में असंतोष का व्याप्त होना।

(iii) हस्तशिल्प उद्योगों के पतन के कारण हस्तशिल्पियों का बेरोजगार होना

कारणों की समझ अच्छी है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार में बंगाल सेना सबसे महत्वपूर्ण साधन रही थी किंतु बंगाल सेना के भारतीय सैनिकों से नस्लीय भेदभाव ने उन्हें भी असंतुष्ट कर दिया फिर 'विपिन चन्द्रा' के अनुसार "सेना भी वर्दीधारी किसान ही थी"

विश्लेषण क्षमता प्रभावी है।

(v) ब्रिटिश के द्वारा सामाजिक सुधार से रूढ़िवादी भारतीयों में व्यापक असंतोष

- भारतीय क्षेत्रों में व्यापक आधार वाली जनता की कमी

(vi) सेना में शिक्षित भारतीयों के नियुक्ति पर बल फलतः सेना में सवर्ण हिंदुओं की सेना में बड़ी संख्या जिससे सेना में भी धार्मिक संवेदनशीलता को प्रोत्साहन मिला और चर्बी वाले कारतूस की घटना ने विद्रोह का रूप ले लिया।

- विद्रोहियों ने पुरानी सामंती व्यवस्था का सहारा लिया।

हालांकि 1857 के विद्रोह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सर्वथा विफल रहा जिसका मुख्य कारण वैचारिक विभेद तथा क्षेत्रीय विविधता को माना जाता है-

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्षेत्रीय विविधता तथा वैचारिक विभेद का 1857 के विद्रोह की विफलता में भूमिका :-

कारण

→ (i) अधिकांश कुलीन वर्ग का निजी स्वार्थ में आंदोलन से दूर रहना

→ (ii) आंदोलन में शामिल हुए कुलीनों का भी निजी स्वार्थ से संचालित होना

→ (iii) आंदोलन का मुख्यत: देश के कुछ भागों = U.P. (बिहार, दिल्ली, M.P.) आदि तक सीमित रहना

→ (iv) पंजाब, दक्षिण भारत, पश्चिम भारत तथा सुदूर पूर्वी भारत का आंदोलन को लगभग अप्रभावित होना

उपरोक्त क्षेत्रीय विविधता तथा वैचारिक विभेद के अतिरिक्त सक्षम नेतृत्व का अभाव, संसाधनों की कमी, ब्रिटिश सैन्य श्रेष्ठता तथा आधुनिक विचारधारा का अभाव जैसे कारणों ने भी 1857 की क्रांति के विफलता में योगदान दिया।

क्षेत्रीय एवं सामाजिक विविधता अंग्रेजों के विरुद्ध संपूर्ण मोर्चाबंदी में विफल

बुद्धिजीवियों के स्तर पर सहयोग प्राप्त

भारत के पूर्वी एवं दक्षिणी भाग काफी हद तक निष्क्रिय

निष्कर्ष प्रभावी है

8/15

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में क्रांतिकारियों पर गदरवादी आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the impact of the Ghadarite movement on the revolutionaries in India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व संध्या पर संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे कुछ प्रवासी भारतीयों ने लाला हरदयाल, सोहनसिंह बखना तथा भगवानदास जैसे क्रांतिकारियों के नेतृत्व में गदर आंदोलन संगठन किया। और विदेशी सहायता तथा भारतीयों की सक्रियता से भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करवाने का एक विफल प्रयास किया।

भूमिका संक्षेप में लिखना प्रभावी होगा

२६ से ३०.२१०९

हालांकि गदरवादी आंदोलन का भारतीय राष्ट्रवादियों पर गहरा प्रभाव पड़ा

प्रभाव
(i) राजनीतिक शिथिलता के दौरान भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना का विस्तार

विषय-वस्तु की समझ बेहतर है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) प्रथम - विश्व युद्ध (1914-1918) का लाभ उठाकर क्रांतिकारियों के द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने का प्रयास करना।

(iii) राष्ट्रवादियों में अपने देश के प्रति जीवटता व त्याग की भावना का विकास

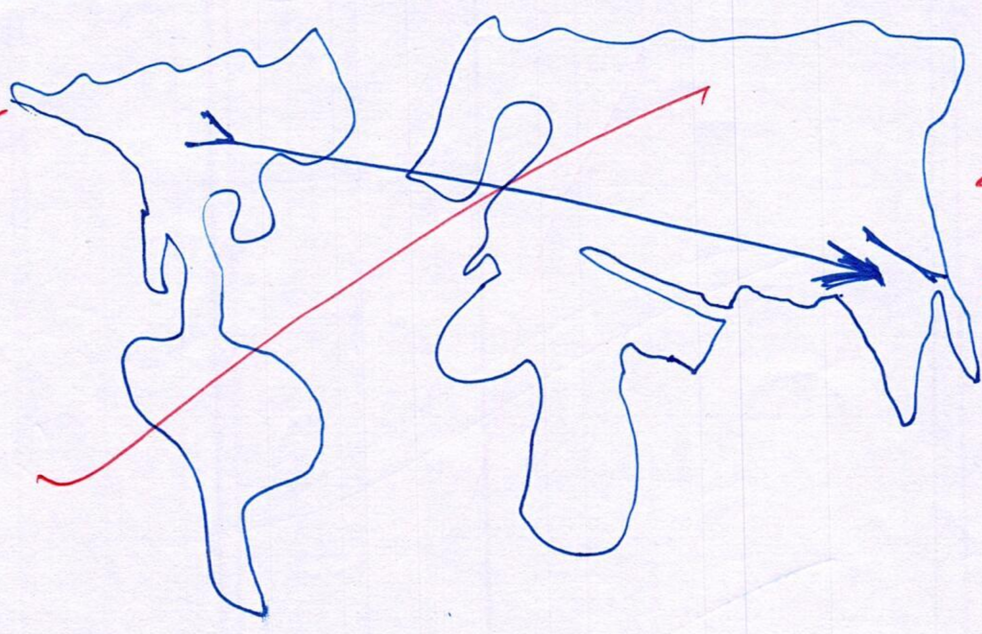

इसके बावजूद गदरवादी आंदोलन कुछ अपवादों को छोड़कर प्याली में तूफान ही सिद्ध हो सका।

- अखबार (द गदर) के माध्यम से भारतीय प्रवासियों तक संपूर्ण राष्ट्रवादी आलोचना को सरल रूप में पहुंचाना
- आंदोलन को क्षेत्रीय सीमा से परे जाने की कोशिश

गदर पार्टी की महत्वपूर्ण विरासत में से 1 पंजाब सिख समुदाय का राजनीतिकरण

मानचित्र प्रभावी है।

निष्कर्ष ठीक है।

इनको विस्तार दें

प्रस्तुतिकरण बेहतर

6/15

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-3

DTVF / OPT-24 **H-2403**

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों के उत्तर** दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation